Regional Centre for Urban & Environmental Studies, Lucknow
(Ministry of Housing and Urban Affairs, Government of India)
क्षेत्रीय नगर एवं पर्यावरण अध्ययन केन्द्र, लखनऊ
(आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार)

सत्यमेव जयते

RCUES LUCKNOW

Er. A.K. Gupta
Additional Director
ई.ए. के. गुप्ता
अपर निदेशक
B.Tech (Civil), M.P. (Transport Planning)
P.G.C.P.M., F.I.E., F.I.T.P., F.I.W.W.A., F.I.W.E., M.U.I.T.

No : URC/ 775 – / 24/2022-23
Date: 25/07 /2022

सेवा में,

निदेशक
शहरी परिवहन निदेशालय
कमरा नंबर 305, तीसरी मंजिल, सेक्टर 7
गोमती नगर विस्तार, लखनऊ।
Email Id: - jditdgoup@gmail.com

विषयः– "Intermediate Public Transport (IPT) systems in urban areas" विषय पर एक दिवसीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन दिनॉक 04 अगस्त, 2022 को किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

अवगत होना चाहें कि क्षेत्रीय नगर एवं पर्यावरण अध्ययन केन्द्र (RCUES) लखनऊ एवं काउंसिल ऑन एनर्जी इन्वायरमेंट एण्ड वॉटर (CEEW), नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में दिनॉक **04/अगस्त/2022** को **"Intermediate Public Transport (IPT) systems in urban areas"** विषय पर **प्रातः 10:00 बजे** से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यशाला के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के शहरी क्षेत्रों के भीतर दैनिक आवागमन के लिए इंटरमीडिएट पब्लिक ट्रांसपोर्ट (आईपीटी) सिस्टम बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन आईपीटी मोड में ऑटो रिक्शा, टेम्पो, ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा आदि शामिल हैं। आईपीटी मोड उत्तर प्रदेश के सभी 10 लाख से अधिक की आबादी वाले शहरों में रोज़ाना 15–20% यात्रियों को आवागमन की सुविधा प्रदान करता है और यह हिस्सा बसों की तुलना में भी अधिक है। तेजी से शहरीकरण की और बढ़ते बुनियादी ढांचे के उन्नयन के साथ, परिवहन सेवाओं की जबरदस्त मांग बड़ी है। सीमित बस उपलब्धता और यूपी के शहरों का सघन शहरी रूप इन आईपीटी सेवाओं के बाजार के अनुकूल है। छोटे और मध्यम आकार के शहर भी शहरी और क्षेत्रीय आवागमन के लिए पूरी तरह से इन प्रणालियों पर निर्भर हैं। आईपीटी सेवाएं कई रूपों में लाभ प्रदान करती है जैसे की निजी वाहनों की तुलना में कम ईंधन की खपत, भीड़भाड़ वाली सड़कों में अधिक गतिशीलता, पॉइंट टू पॉइंट और डोर टू डोर सेवा क्षमता और अन्य साधनों की तुलना में कम आर्थिक लागत।

हालांकि, ये सिस्टम अक्सर उचित बुनियादी ढांचे जैसे स्टैंड, स्टॉप, पार्किंग, कतार की सुविधा आदि से रहित होते हैं और परिणामस्वरूप इन आईपीटी वाहनों के कुप्रबंधन के कारण शहर की सड़कों पर अराजकता होती है। ड्राइविंग व्यवहार और प्रवर्तन संबंधी मुद्दे भी इस समस्या को जोड़ते हैं। शहर के अधिकारियों को आवश्यक समर्थन बुनियादी ढांचे के लिए योजना बनानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, इस सेगमेंट में इलेक्ट्रिक वाहनों में हालिया वृद्धि के लिए पार्किंग प्रावधानों के साथ शहरों में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता है। इसलिए, इस कार्यशाला का उद्देश्य शहरों में आईपीटी प्रणालियों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और इसके लिए योजना समर्थन बुनियादी ढांचे पर भी ध्यान केंद्रित करना है।

क्रमशः...........

यह एक दिवसीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन **क्षेत्रीय नगर एवं पर्यावरण अध्ययन केन्द्र, लखनऊ के लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित सभागार कक्ष में दिनॉक 04 अगस्त, 2022 को प्रातः 10.00 बजे शांय 05 बजे तक** आयोजित किया जायेगा।

महोदय आपसे सादर अनुरोध है कि इस कार्यशाला से सम्बन्धित अपने अधिनस्त 02 अधिकारियों को प्रतिभाग करने हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें।

इस कार्यक्रम के दौरान स्नैक्स एवं लंच की व्यवस्था केन्द्र के द्वारा निःशुल्क प्रदान की जायेगी तथा यात्रा पर होने वाला व्यय निकायों द्वारा वहन किया जायेगा।

कार्यक्रम के सम्बन्ध में अधिक जानकारी श्री हिमांशू चन्द्रा, सहायक निदेशक, मोबाइल नं0–9839328878 ईमेल आईडी– himanshu.rcueslko@gmail.com द्वारा प्राप्त की जा सकती है। उपरोक्त पत्र की प्रतिलिपि केन्द्र की वेबसाइट www.rcueslucknow.org पर उपलब्ध है। समबन्धित पत्र को उपरोक्त वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है।

संलग्नकः यथोपरि।

भवदीय

(ए0के0 गुप्ता)